अमृतकाल के लिये स्टार्टअप भारत की क्रान्तिकारी विकास गाथा

भारत में उद्यमिता आज आत्मनिर्भर भारत का एक अनिवार्य स्तम्भ है। यह भारत के तंत्र (इकोसिस्टम) में ऐसे अंतर्निहित है कि इतिहास में अपनी जड़ें तलाशती हुई, उज्ज्वल भविष्य के निर्माण की ओर अग्रसर है। ज्यों ज्यों हम प्रगति कर रहे हैं भारत स्टार्टअप का केन्द्र बनता जा रहा है, विशेषकर पिछले कुछ वर्षों में नवाचार में अभूतपूर्व व्यवधानों, तकनीकी प्रगति तथा सहायक सरकारी नीतियों के कारण ऐसा हो सका। इस निर्णायक चरण में अब यह अध्ययन करना महत्वपूर्ण है कि भारतीय स्टार्टअप तंत्र कैसे विकसित हुआ और राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय दोनों स्तरों पर इसने मौजूदा स्थिति कैसे हासिल की जिसकी धमक दुनिया भर में महसूस की जा रही है।

मनमीत के नंदा | संयुक्त सचिव, उद्योग और आन्तरिक व्यापार संवर्द्धन विभाग, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय। ईमेल- secy-ipp@nic.in

भारत ने 15 अगस्त, 2022 को जैसे ही स्वतन्त्रता का 75वां वर्ष पूरा किया, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 'अमृत काल' का लक्ष्य सामने रख दिया कि अगले 25 वर्षों में भारत और भारतीयों के लिये समृद्धि और खुशहाली की नई ऊँचाइयों पर पहुँचना है। भारतीय स्टार्टअप इकोसिस्टम (तंत्र) का उदय, निश्चित रूप से देश के उद्यमियों को नवाचार के लिये प्रेरित कर रहा है जो देश के लिए रखा गया। 2047 का लक्ष्य हासिल करने में सहायक होगा।

इस बढ़ते, आशाजनक, लेकिन बिखरे हुए तंत्र को सुविधाजनक बनाने के लिए, भारत सरकार ने भारत में समावेशी नवाचार और उद्यमिता के लिए एक मंच की आवश्यकता महसूस की। अतः सरकार ने, उभरते और महत्वाकांक्षी उद्यमियों के साथ-साथ इस तंत्र को बढ़ावा देने, बदलने और पोषित करने तथा इन्हें सशक्त करने के लिए स्टार्टअप इंडिया पहल शुरू की।

भारतीय स्टार्टअप का तंत्र तेज़ी से बदलती दुनिया के क़दम से क़दम मिलाता हुआ लगातार विकसित, विस्तृत होते हुए नवाचार कर रहा है।

देश के उद्यमी पारिस्थितिकी तंत्र ने पिछले कुछ वर्षों में वित्त पोषण गतिविधियों में तेज़ी देखी है। केवल 2022 में भारतीय स्टार्टअप ने 25 अरब डॉलर से अधिक जुटाये। भारत के यूनिकॉर्न भी अभिनव समाधान विकसित करके और बड़े पैमाने पर रोज़गार पैदा करते हुए इस तेज़ी से विकसित और गतिशील तंत्र में समृद्ध हो रहे हैं। वित्त वर्ष 2016-17 तक, हर वर्ष भारत के लगभग एक यूनिकॉर्न जुड़ रहा था। लेकिन पिछले चार वर्ष में (वित्त वर्ष 2017-18 से), यह संख्या इतनी तेज़ी से बढ़ी कि साल दर साल जुड़ने वाले यूनिकॉर्न की संख्या में 66 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। भारत में आज 108 से अधिक यूनिकॉर्न हैं और यह दुनिया का दूसरा सबसे

बड़ा यूनिकॉर्न राष्ट्र बन गया है।

फंडिंग में वृद्धि, मुख्य रूप से बड़े पैमाने पर डिजिटलीकरण अपनाने और स्टार्टअप के विकास के आरम्भिक चरणों में पूँजी की सरल उपलब्धता के कारण हुई। स्टार्टअप इंडिया ने शुरुआती और परिपक्व दोनों चरणों में धन जुटाने की प्रक्रिया को सरल और सुविधाजनक बनाने के लिये विभिन्न योजनाएँ शुरू की हैं। एंजिल निवेशकों और वैंचर कैपिटल फर्मों से शुरुआती चरण के वित्त पोषण का समर्थन करने वाली ऐसी एक योजना 945 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ स्टार्टअप इंडिया सीड फंड स्कीम (एसआईएफएसएस) है जो अवधारणा, प्रोटोटाइप विकास, उत्पाद परीक्षण, बाज़ार-प्रवेश और व्यावसायीकरण के प्रमाण के लिए शुरुआती चरण के स्टार्टअप को वित्तीय सहायता प्रदान करती है। यह आगामी 4 वर्षों (2024 तक) में 300 इनक्यूबेटरों के माध्यम से लगभग 3,600 उद्यमियों को मदद देगी। स्टार्टअप के लिये वित्तीय सहायता देने को प्रतिबद्ध एक और सरकारी योजना है फंड ऑफ़ फंड्स जो 2016 में शुरू की गई थी। यह सहायता, एफएफएस के तहत भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) पंजीकृत वैकल्पिक निवेश कोष (एआईएफ) को दी जाती है जो आगे स्टार्टअप में निवेश करते हैं। एफएफएस की घोषणा 10,000 करोड़ रुपये के कोष के साथ की गई थी और इसका उद्देश्य परिपक्व चरणों में स्टार्टअप की मदद करना है।

कई प्रबंधकीय और नियमन सम्बन्धी चुनौतियों के अलावा, स्टार्टअप के समक्ष सबसे बड़ी समस्या, पूँजी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिये प्रारम्भिक चरण के ऋण

तक सहज पहुँच बनाने की होती है। वाणिज्यिक बैंकों जैसे पारम्परिक रूप से ऋण देने वाले संस्थान, अपने पुराने ढर्रे पर भरोसा करते हैं। सरकार ने अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों, ग़ैर-बैंकिंग वित्तीय कम्पनियों (एनबीएफ़सी) और सेबी पंजीकृत वैकल्पिक निवेश निधि के तहत, उद्यम ऋण निधि (वीडीएफ) द्वारा डीपीआईआईटी-मान्यता प्राप्त स्टार्टअप को दिए गए ऋणों को क्रेडिट गारंटी देने के लिए स्टार्टअप क्रेडिट गारंटी योजना शुरू की है। सीजीएसएस का उद्देश्य, पात्र कर्ज़दारों अर्थात् डीपीआईआईटी मान्यता प्राप्त स्टार्टअप के वित्तपोषण के लिए सदस्य संस्थानों (एमआई) से दिए गए ऋणों के लिए एक निर्दिष्ट सीमा तक क्रेडिट गारंटी प्रदान करना है।

आज भारत दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। सरकार के समर्थन और हमारे नवोन्मेषकों के सामूहिक प्रयासों से इसने लम्बा सफर तय किया है। हालाँकि, यह भारत के स्वर्ण युग की शुरुआत भर है क्योंकि हमने तो अभी अमृत काल में प्रवेश ही किया है। भारत के लिये यह समय दुनिया भर में चमकने का है। हम राष्ट्र को अभूतपूर्व ऊँचाइयों पर ले जा सकते हैं और अपने सपनों के भारत का निर्माण समावेशी और स्थायी रूप से कर सकते हैं- ऐसा केवल तभी होगा जब हम एक साथ मिलकर हर बाधा ख़त्म करके एकजुट राष्ट्र के रूप में एक साथ आगे आएँ। ❑

संदर्भ

1. https://pib.gov.in/PressReleaseIframePage.aspx?PRID=1823347
2. https://www.startupindia.gov.in/content/dam/invest-india/Templates/public/Action%20Plan.pdf
3. https://entrackr.com/2023/03/funding-remains-flat-for-indian-startups-in-february-entrackr-report/
4. https://pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=1865796
5. https://www.startupindia.gov.in/content/sih/en/nsa-landing.html
6. https://seedfund.startupindia.gov.in/
7. https://www.startupindia.gov.in/content/sih/en/startup-scheme.html, https://inc42.com/features/2022-in-review-25-bn-funding-21-unicorns-decoding-indian-startup-funding-landscape/

YH-2297/2023